मिशन शिक्षण संवाद

मासिक संकलन

काव्यांजलि

जून- 2025

क्रमांक- 2534 से 2558

संकलन- मिशन शिक्षण संवाद काव्यांजलि टीम

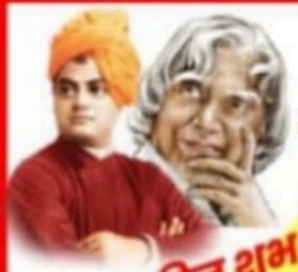

दिनांक 02.06.2025

काव्यांजलि

2534

दिन सोमवार

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा-8, विषय- विज्ञान, पाठ-3 (भाग-1)

परमाणु की संरचना

आयतन व द्रव्यमान के साथ,
विघटित हो, वह है पदार्थ।
सूक्ष्म कण जो अविभाज्य,
परमाणु मिलकर बनाते पदार्थ।।

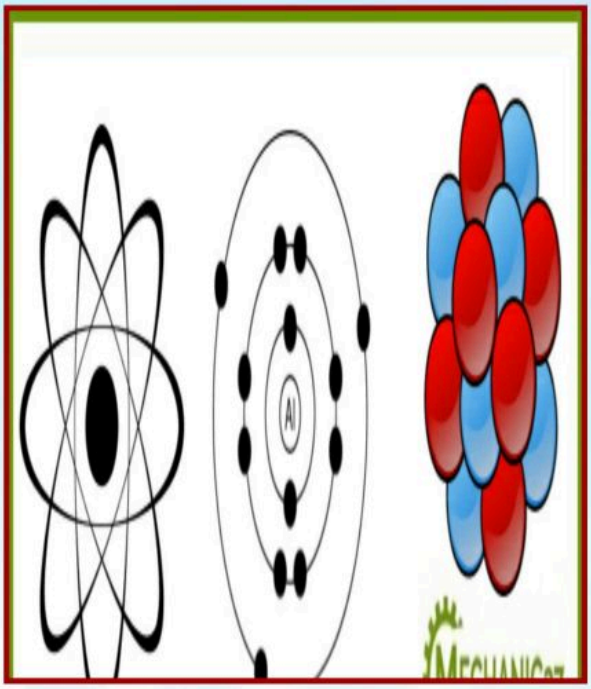

दो या अधिक मिले परमाणु,
हो जाता अणु का निर्माण।
समान परमाणु बनाये अणु-तत्व,
असमान से यौगिक-अणु निर्माण।।

टूटा डाल्टन का परमाणु सिद्धान्त,
इसमें अवयवी कण विद्यमान।
वैज्ञानिक खोजें मूलकण तीन,
इलेक्ट्रॉन, प्रोटॉन, न्यूट्रॉन।।

खोजा थॉमसन ने इलेक्ट्रॉन,
गोल्डस्टीन खोजे प्रोटॉन।
रडरफोर्ड ने दिया इसे नाम,
चैडविक लाये उदासीन न्यूट्रॉन।।

रचन- पुष्पा पटेल (प्र०अ०)
प्रा० वि० संग्रामपुर
क्षेत्र व जनपद- चित्रकूट

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि

2535

दिनांक 03 जून 2025

दिन मंगलवार

पाठ- 2

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा- 6 विषय- विज्ञान

पदार्थ एवं पदार्थ के समूह

घुलनशीलता

धुलनशील पदार्थ वो होते,
जो जल में या द्रव में घुल जाते।
जिस द्रव में भी घुल जाते,
उसे 'विलेय पदार्थ' कहते हैं।।

कुछ पदार्थ किसी भी द्रव में,
बिल्कुल भी नहीं घुलते हैं।
वो 'अधुलनशील पदार्थ' ही तो,
'अविलेय पदार्थ' कहे जाते हैं।।

एक गुण कुछ पदार्थों का होता,
जो किसी-किसी द्रव में तो घुल जाते।
हर किसी द्रव में वह नहीं घुलते,
उन्हें 'अघुलनशील पदार्थ' कहते हैं।।

पदार्थों के घुलने के आधार पर,
उनका वर्गीकरण कर सकते।
घुलने वाले 'घुलनशील पदार्थ',
नहीं घुलनेवाले को 'अघुलनशील' कहते।।

रचना- नैमिष शर्मा (स०अ०)
उच्च प्रा० वि० (1-8)- तेहरा
वि० क्षे०- मथुरा, जिला- मथुरा

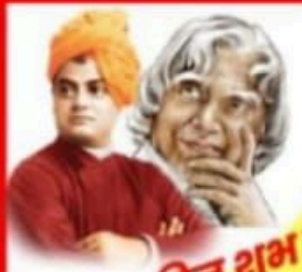

दिनांक 04 जून 2025

काव्यांजलि

2536

दिन बुधवार

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा- 7

हमारा भूमण्डल

पाठ- 8

प्राकृतिक प्रदेश एवं जनजीवन (विषुवत रेखीय प्रदेश)

हम जिस परिवेश में रहते हैं,
होती है उसमें बहुत विविधताएँ।
तरह-तरह की होती हैं वनस्पति,
जीव-जन्तु में भी होती भिन्नताएँ।।

हम जिस परिवेश में रहते हैं,
हमारे चारो तरफ हैं भिन्नताएँ।
मिट्टी और जलवायु में भी,
हैं बहुत सारी भिन्नताएँ।।

प्राप्त होते हैं सब प्रकृति से,
प्रकृति में भी हैं विविधताएँ।
कई रूपों में हमें यह मिलती,
देखने को प्रकृति की भिन्नताएँ।।

भूदृश्यों, प्राकृतिक वनस्पतियों,
जीव-जन्तु संग विभन्न प्रजाति।
मौसमी दशाओं में है भिन्नता,
ये भिन्नता कई रूप में दिखाई देतीं।।

रचना-
रुखसाना बानो (स०अ०)
कम्पोजिट विद्यालय अहरौरा
जमालपुर, मीरजापुर

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान
काव्यांजलि
2537
दिनांक 05.06.2024
दिन गुरुवार
कक्षा- 07

आपका दिन शुभ हो।

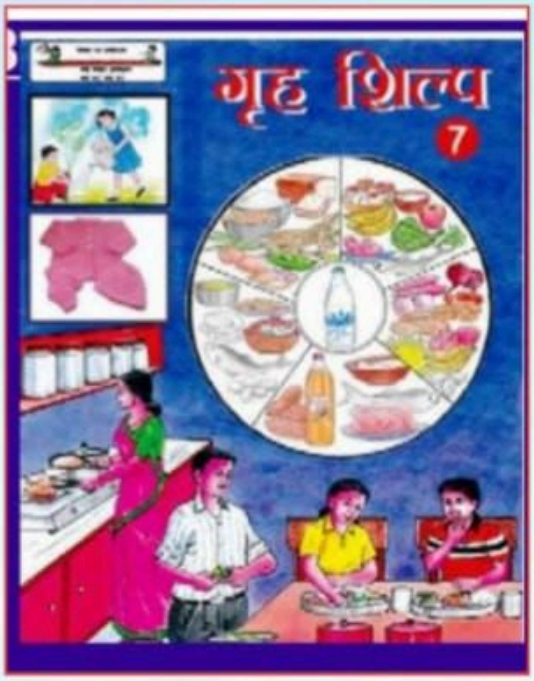

विषय- गृह शिल्प

पाठ्य विवरण

गृह-शिल्प, गृह-शिल्प,
यह विषय है बिल्कुल नि:शुल्क।
स्वास्थ्य, स्वच्छता की बात बतलाता,
उत्तम पोषण भी है साथ में लाता ।।

पाचन सम्बन्धी रोग बतलाये,
इनसे बचने के उपाय भी सिखलाये।
प्रदूषण के कारण व निवारण बतलाता,
प्राथमिक चिकित्सा से जीवन को बचाता।।

सिलाई कला का ज्ञान कराता,
जिससे धन का अर्जन भी सिखलाता।
कढ़ाईकला में निपुण बनाता,
वस्त्र की सुन्दरता को भी बढ़ाता ।।

बुनाई कला और धुलाईकला सिखलाता,
गृह प्रबन्ध भी करना सिखलाता।
पाक-कला में निपुण बनाता,
सबसे मधुर सम्बन्ध बनाता ।।

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

रचना
सुमन मौर्या
प्रा० वि० डेरवाँखुर्द
चहनियाँ, चंदौली

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान।

दिनांक
06 जून 2025

काव्यांजलि

2538

दिन
शुक्रवार

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा- 3, विषय- हमारा परिवेश, पाठ-1

हमारा परिवार (भाग- 2)

दादा जी मुखिया हैं घर के,
सब लोगों का रखते ध्यान।
सुनते सब लोगों की बातें,
सभी करें उनका सम्मान।।

लौट के घर आये दादा जी,
और मधु बाजार से।
चाचा सुरेश को कर प्रणाम,
मधु बोली शिष्टाचार से।।

माँ आँगन कर रहीं साफ,
मैं चाचा को पानी दे दूँ।
मधु सोच में पड़ी कि चाचा,
को पानी संग क्या मैं दूँ।।

इतने में पानी और बिस्किट,
लेकर पापा जी आये।
मधु ने झोले से निकाल कर,
लो मोनू पेन तुम्हारा लाये।।

रचना:-
मंजू शर्मा "माधुरी" (स०अ०)
प्रा० वि० नगला जगराम
ब्लॉक- सादाबाद, हाथरस

दिनांक 07 जून 2025

काव्यांजलि

2539

दिन शनिवार

पाठ- 07

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा- 8 विषय- भूगोल (पृथ्वी और हमारा जीवन)

भारत के प्रमुख पत्तन

तर्ज़- बाबुल का ये घर बहना

भारत के प्रमुख पत्तन,
तुम्हें आज बताते हैं।
बड़े-बड़े समुद्री जहाज,
जहाँ से आते-जाते हैं।।

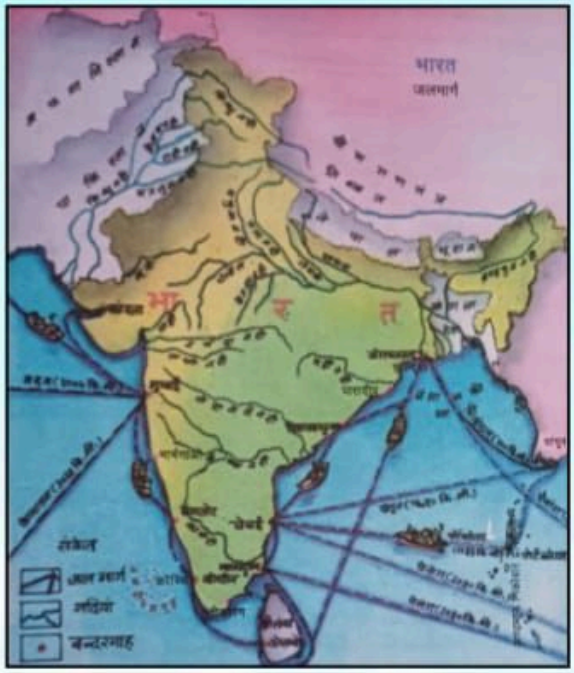

कोच्चि-केरल में, न्यू मंगलौर- कर्नाटक।
तूतीकोरिन-तमिलनाडु में, एन्नोर यहीं पाते हैं।।
भारत के प्रमुख पत्तन.....

मार्मगाओ-गोवा में, गुजरात में कान्डला।
हल्दिया-कोलकाता में, ओडिशा-पारादीप गाते हैं।।
भारत के प्रमुख पत्तन.....

नावाशेवा-महाराष्ट्र में, मुम्बई भी महाराष्ट्र का।
जे० एल० नेहरू बन्दरगाह, नावाशेवा को बताते हैं।।
भारत के प्रमुख पत्तन.....

है विशाखापत्तनम, आन्ध्र प्रदेश में ही,
चेन्नई में भी पत्तन, इसे हम जान जाते हैं।।
भारत के प्रमुख पत्तन.....

रचना-
अरविन्द कुमार सिंह (स०अ०)
प्रा० वि० धवकलगंज
बड़ागाँव, वाराणसी

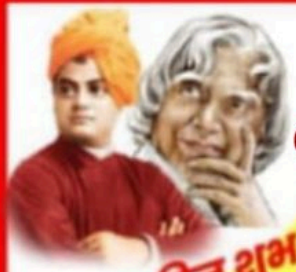

दिनांक 09.06.2025

काव्यांजलि

2540

दिन सोमवार

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा-1, विषय- हिन्दी, पाठ-04

रानी भी

रमा और रानी थीं दो बहनें,
दोनों के साथ के क्या कहने।
रमा ने जैसे चोटी बनायी,
रानी ने झट कंघी उठायी।।

रमा अपनी चप्पल लायी,
कन्धे में बस्ता लटकायी।
रानी भी भागी चप्पल लायी,
साथ में झोला टाँग कर आयी।।

रमा फिर स्कूल को निकली,
रानी ने उसकी उँगली पकड़ी।
बोली मैं भी जाऊँगी स्कूल,
इस बात पर माँ से झगड़ी।।

माँ ने उसे प्यार से समझाया,
छोटी हो तुम यह बताया।
थोड़ा सा तुम बड़ी हो जाना,
हर रोज़ फिर स्कूल तुम जाना।।

रचना- शहनाज बानो (स०अ०)
उच्च प्रा० वि० भौंरी
मानिकपुर, चित्रकूट

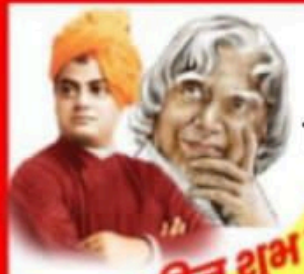

दिनांक
10 जून 2025

काव्यांजलि

2541

दिन
मंगलवार

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा- 06, विषय- विज्ञान
इकाई- 06

जीव जगत (भाग-02)

श्वास लेना और छोड़ना,
श्वसन क्रिया कहलाता।
फेफड़ों द्वारा होता यह,
पाँच सेकेण्ड में हो जाता।।

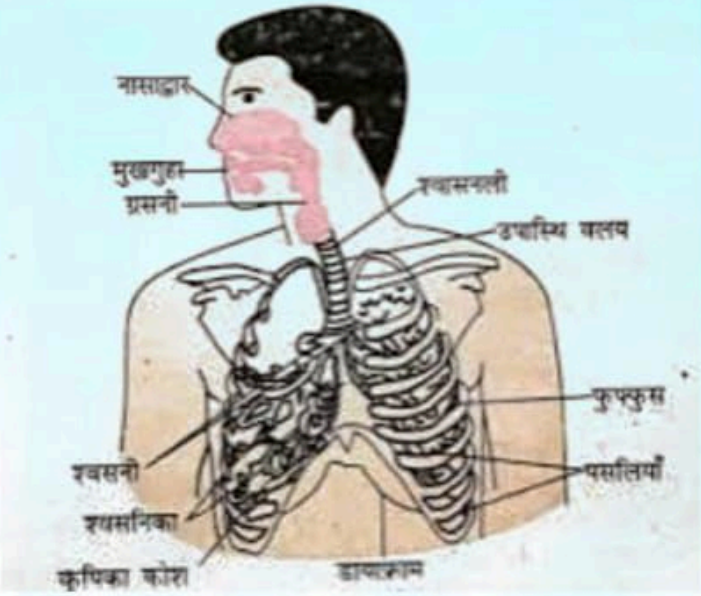

जब जीवों की होती,
अपनी जैसी सन्तान।
रंग रूप आकर भी वैसा,
इसको प्रजनन जान।।
अपने पैरों से चलकर,
दूसरी जगह पर जाना।
सक्रिय होती माँसपेशियाँ,
गति को सबने माना।।

लम्बाई सब जीवों की,
निश्चित समय तक बढ़ती।
सभी अंगों का होता विकास,
इसको कहते वृद्धि।।

रचना:-
सुधांशु श्रीवास्तव (स०अ०)
प्राथमिक विद्यालय मणिपुर
ऐरायां, फ़तेहपुर

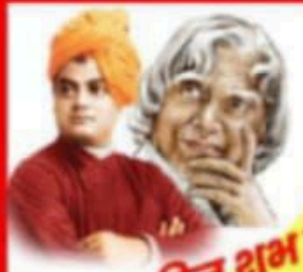

दिनांक 11-06-2024

काव्यांजलि

2542

दिन बुधवार

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा- 4, विषय- पर्यावरण, पाठ- 8

पौधे के भाग एवं उनके कार्य

रोज देखते आस-पास हम,
पेड़ और पौधों को बच्चों।
होते हैं कुछ बड़े और सुन्दर,
कुछ पतले-मोटे बच्चों।।

तने, पत्तियाँ, शाखाएँ सब,
उनके अलग-अलग होते।
कुछ मजबूत-कठोर और,
कुछ कोमल और नरम होते।।

कोमल और मजबूत तनों को,
अलग-अलग लिखकर छाँटो।
बड़े और छोटे आधारों पर,
इनको लखकर बाँटो।।

पौधे के भाग

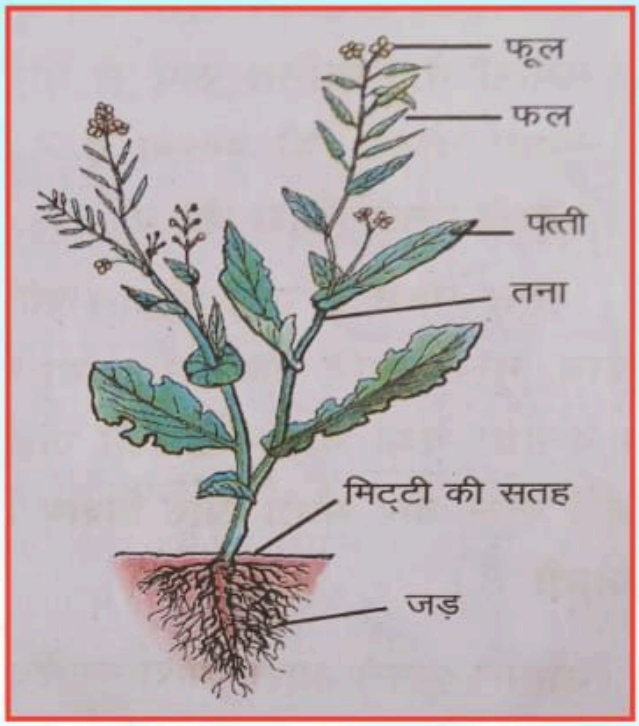

कौन भाग पौधे के भूमि पर,
कौन जमीं के अन्दर है?
तना, पत्तियाँ, फूल और फल,
ऊपर, जड़ जमीन के अन्दर।।

रचना:-

जुगल किशोर त्रिपाठी
प्रा० वि० बम्हौरी (कम्पोजिट)
ब्लॉक- मऊरानीपुर, जनपद- झाँसी

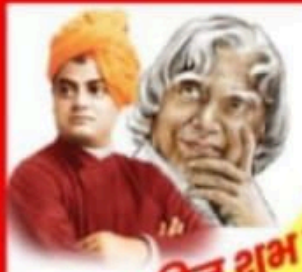

दिनांक 12जून 2025

काव्यांजलि

2543

दिन गुरुवार

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा- 7

हमारा भूमण्डल

पाठ- 9

प्राकृतिक प्रदेश एवं जनजीवन (सवाना प्रदेश)

सूडान तुल्य नाम से जाना जाता,
वह सवाना प्रदेश है कहलाता।
ग्रीष्म ऋतु में कम वर्षा होती है,
वर्ष का शेष भाग भी सूखा रहता।।

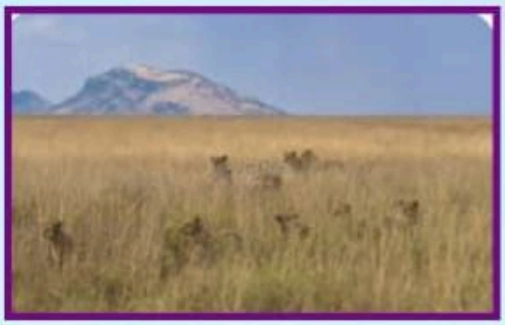

लम्बीऔर मोटी घास है वनस्पति,
घासें तीन मीटर तक लम्बी होती।
घास की है यहाँ पर बहुत अधिकता,
बनावट मोटी, चपटी, कड़ी है होती।।

आकार होता घास का गुच्छेदार,
खास है सबसे यहाँ हाथी घास।
ये पार्कलैण्ड-बुश बेल्ड कहलाते,
बहुत लम्बी-लम्बी होती है घास।।

यहाँ-वहाँ बिखरे मिलते हैं,
सवाना में कुछ पतझड़ वृक्ष।
ऊँचाई होती है इनकी कम,
सूखा के कारण हैं ऐसे वृक्ष।।

रचना-
रुखसाना बानो (स०अ०)
कम्पोजिट विद्यालय अहरौरा
जमालपुर, मीरजापुर

दिनांक 13 जून 2025

काव्यांजलि

2544

दिन शुक्रवार

पाठ- 03

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा- 8 विषय- इतिहास

(हमारा इतिहास और नागरिक जीवन)

अंग्रेज-गोरखा युद्ध

अंग्रेजों के अधीन बस्ती,
शिवराज और वुटवल थी।
उन्नीस सौ चौदह ईसवी में,
गोरखों ने अधिकार में ली।।

वारेन हेस्टिंग्स और गोरखा,
मध्य एक था युद्ध हुआ।
हुए पराजित अंत में गोरखे,
अंग्रेजों ने जीत लिया।।

उन्नीस सौ सोलह ईसवी में,
संधि हुई सिगौली की।
कुमायूँ, गढ़वाल क्षेत्र तराई,
अंग्रेजों ने थी पा ली।।

गोरखों ने सिक्किम पर अपने,
अधिकार को छोड़ दिया।
काठमांडू में रेजीडेण्ट एक,
अंग्रेजों का रहने लगा।।

रचना- अरविन्द कुमार सिंह (स०अ०)
प्रा० वि० धवकलगंज
बड़ागाँव, वाराणसी

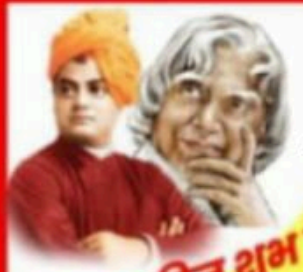

दिनांक 14/06/2025

काव्यांजलि

2545

दिन शनिवार

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा- 5, विषय- शारीरिक शिक्षा
पाठ- 3

योग

आलस छोड़ो नींद भगाओ,
योग, ध्यान, आसन को लगाओ।
दिनचर्या को ठीक करें सब,
पढ़ें-लिखें और निपुण बने अब।।

संग मित्रों के खूब पढ़ेंगे,
नए-नए आयाम गढ़ेंगे।
नई-नई कक्षा नई किताबें,
नया है बस्ता नई जुराबें।।

गगन मगन हों नाच रहा है,
देखो स्कूल भाग रहा है।
पीछे पीछे चन्दा भागे,
रुक जाओ भईया हम भी आते।।

नई-नई पुस्तक खुशबू बिखेरे,
विद्या का नवपुंज उकेरें।
आओ मिलकर प्रण लें हम,
लिखेंगे पढ़ेंगे निपुण बनेंगे हम।।

🙏 *रचना:-*
डॉ० शालिनी गुप्ता (स०अ०)
उच्च प्रा० वि० मुर्धवा (ब्लॉ-8)
म्योरपुर, सोनभद्र

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान।

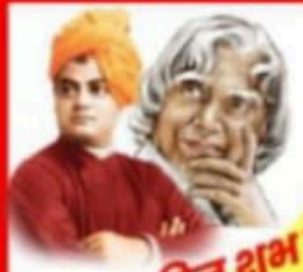

दिनांक 16.06.2025

काव्यांजलि

2546

दिन सोमवार

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा -5, विषय- हिन्दी, पाठ- 8

टोकरी में क्या है?

मेरी नानी, प्यारी नानी,
घर जाऊँगी मैं तो नानी।
ठीक है बेटा! घर जाना तुम,
साथ टोकरी ले जाना तुम।।

अच्छा दादी हमें बताओ,
इसमें फल है यह मिठाई।
फल है बेटा तुम्हें पसन्द है,
लेकिन सेब नहीं मैं लायी।।

पेड़ पर है तो है नारंगी,
पीला है तो आम ये होगा।
गोल है तो है अमरूद,
खट्टा है तो माल्टा होगा।।

शरबत बनता और अचार,
नींबू है इसका जवाब।
शाबाश बिटिया जान गई तुम,
तुम हो बहुत होशियार।।

रचना

हेमलता गुप्ता (स० अ०)
प्रा० वि० मुकंदपुर
लोधा, अलीगढ़

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान।

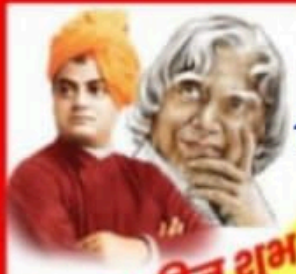

दिनांक
17 जून 2025

काव्यांजलि
2547

दिन
मंगलवार

आपका दिन शुभ हो।

पाठ- 06
भाग- 02

कक्षा -4 विषय- भूगोल (पर्यावरण)

मीठा शहद

मीठा-मीठा शहद हम,
भोज्य पदार्थ के रूप में खाते हैं।
प्यारे बच्चों! कभी सोचा है,
हम शायद कहाँ से पाते हैं?

मधुमक्खियाँ फूलों का रस,
चूस कर लाती हैं।
फिर रस को मधुमक्खियाँ,
अपने छत्ते में एकत्रित करती हैं।।

मधुमक्खियों के छत्ते में,
एक रानी मधुमक्खी होती है।
रानी मधुमक्खी छत्ते में,
अण्डे देने का कार्य करती है।।

छत्ते में नर और श्रमिक,
मधुमक्खियाँ भी होती हैं।
जो छत्ता बनाने, साफ सफाई,
और सुरक्षा का कार्य करती है।।

रचना-
मृदुला वर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० अमरौधा प्रथम
क्षेत्र- अमरौधा, जनपद- कानपुर देहात

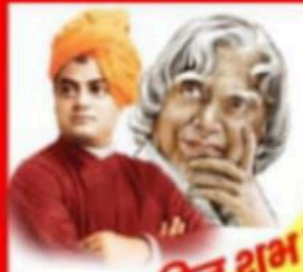

दिनांक 18-06-2025

काव्यांजलि

2548

दिन बुधवार

आपका दिन शुभ हो।

विषय- हमारे आदर्श (कक्षा- 08)

पाठ- 03 भरत

भरत

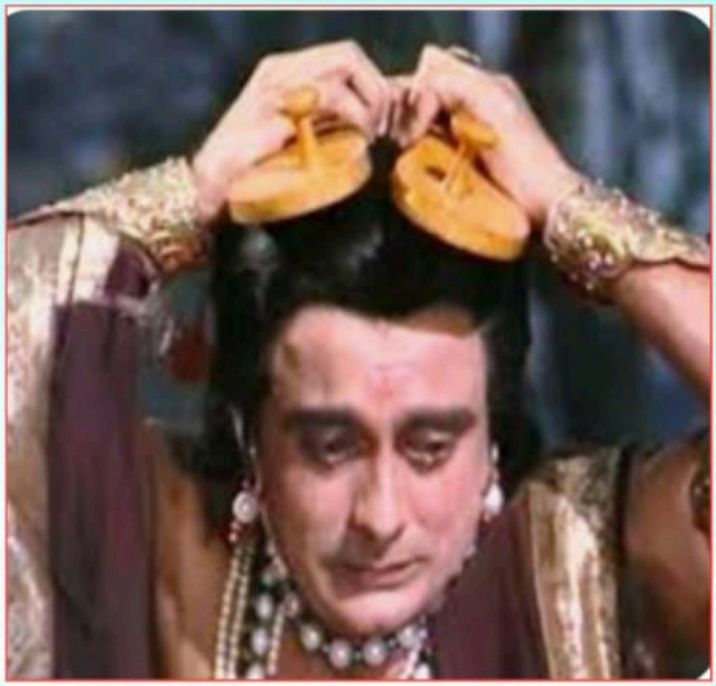

राम, लक्ष्मण, भरत और शत्रुघ्न,
चार पुत्र अयोध्या नरेश दशरथ के।
कौशिल्या, ककैयी और सुमित्रा,
तीन रानियाँ थी राजा दशरथ के।।

भरत पुत्र थे रानी कैकेयी के,
रामचन्द्र जी के वन जाने का।
वरदान माँगा तब कैकेयी ने,
देहावसान हुआ दशरथ का।।

राजकाज भारत सँभाले,
यही उनको सबने समझाया।
राम भैया बैठे सिंहासन पर,
भरत के मन को यह भाया।।

वन जाकर मिले अग्रज राम जी से,
शासन सँभाले, विनय की राम जी से।
नहीं लेना शासन मुझे, कहा राम जी से,
शासन किया माँग खड़ाऊँ राम जी से।।

रचना-
प्रतिमा उमराव (स०अ०)
कम्पोजिट विद्यालय अमौली
अमौली, फतेहपुर

काव्यांजलि

दिनांक 19/06/2025

2549

दिन गुरुवार

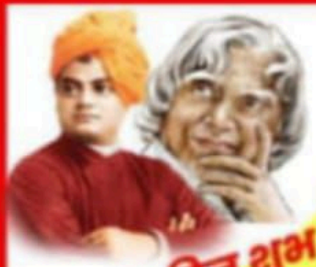

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा-जूनियर स्तर

पाठ-5

विषय- योग

योग स्वस्थ जीवन जीने को,
एक अहम विज्ञान है।
रोगों से रहें दूर सदा,
जिनको इनका ज्ञान है।।

अंगों को सक्रिय करें,
बीमारी का निदान है।
तन-मन को यह स्वस्थ रखे,
योग की यही पहचान है।।

योग, आसन, कसरत, व्यायाम,
मुख्य रूप से ध्यान है।
तनाव को कम करने का,
इसमें गुण विद्यमान है।।

सर दर्द, पीठ दर्द, क्रोध, अनिद्रा,
समस्या यही प्रधान है।
आज की जीवन शैली में,
योग अभ्यास कल्याण है।।

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान।

रचना:-
नीतू सिंह (प्र०अ०)
प्रा०वि० समोखर
निधौली कलां, एटा

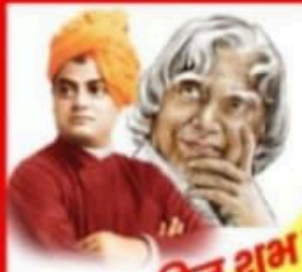

दिनांक
20 जून
2025

काव्यांजलि
2550

दिन
शुक्रवार

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा- 7

हमारा भूमण्डल

पाठ- 9

प्राकृतिक प्रदेश एवं जनजीवन (सवाना प्रदेश, जीव-जन्तु)

घास भूमि में चरने वाले,
जन्तु अधिक पाये जाते हैं।
जेब्रा, जिराफ, गेंडा, हाथी,
के बड़े झुण्ड देखे जाते हैं।।

वृक्षों की कम संख्या के कारण,
अधिक जन्तु पाये जाते हैं।
घास क्षेत्र होने के कारण ही,
स्तनधारी जन्तु अधिक मिलते हैं।।

बड़ी संख्या में मिलते हैं,
चीता-शेर माँसाहारी जन्तु।
जेब्रा-हिरन का करते शिकार,
ये सब माँसाहारी जन्तु।।

शिकार अधिक होने के कारण,
शिकार भूमि भी कहलाता है।
शुतुरमुर्ग, गेमबर्ड, गैजेल्स, एमू,
भी यहाँ पर पाया जाता है।।

रचना-
रुखसाना बानो (स०अ०)
कम्पोजिट विद्यालय अहरौरा
जमालपुर, मीरजापुर

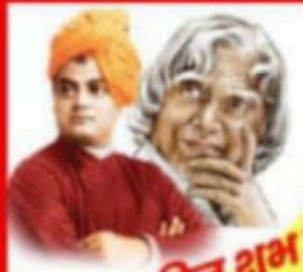

दिनांक 21-06-2025

काव्यांजलि

2551

दिन शनिवार

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा- 8, विषय- प्रज्ञा, पाठ- 6

बिहारी के दोहे

नीति

बिना गुणों के बडे न होगे,
सुयश बढ़ाई चाहे पाय।
कहता कनक धतूरे से सुन,
गहनों जब तक गढ्यो न जाय।।

सागर अति अगाथ होता है,
नदी, कूप, सर उथले होय।
पर नहीं प्यास बुझे सागर से,
चाहे उपाय करे नर कोय।।

चाहे छुवो गगन, पर ओछे,
बड़े न होगे गगन द्वार।
लो निहार न दीरघ होगे,
चाहे कितना नैना फार।।

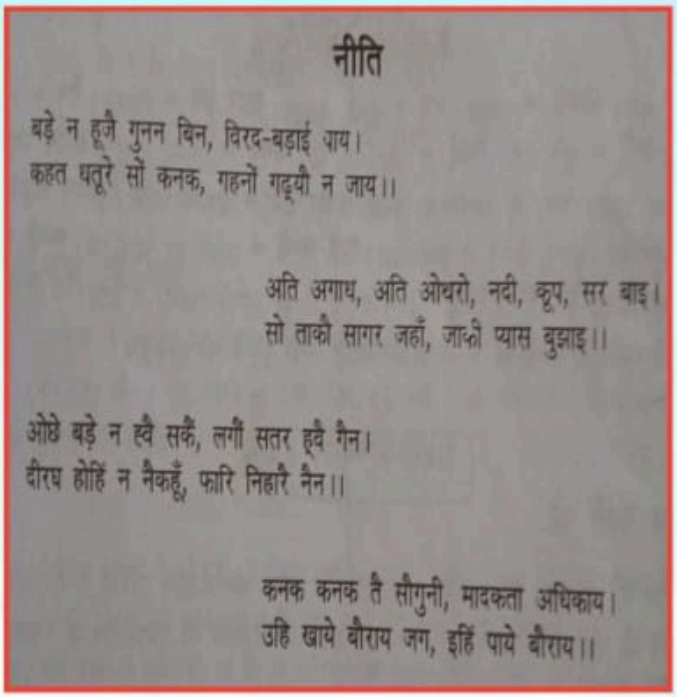

नीति

बड़े न हूजै गुनन बिन, बिरद-बड़ाई पाय।
कहत धतूरे सों कनक, गहनो गढ़्यौ न जाय।।

अति अगाध, अति ओथरो, नदी, कूप, सर बाइ।
सो ताकौ सागर जहाँ, जाकी प्यास बुझाइ।।

ओछे बड़े न ह्वै सकैं, लगौ सतर ह्वै गैन।
दीरघ होहिं न नैकहूँ, फारि निहारै नैन।।

कनक कनक तै सौगुनी, मादकता अधिकाय।
उहि खाये बौराय जग, इहिं पाये बौराय।।

कनक कनक से होय सौगना,
मादकता अति भीतर छाय।
खाये एक जग बौराता है,
दूजे को खाकर बौराय।।

रचना:-

जुगल किशोर त्रिपाठी
प्रा० वि० बम्हौरी (कम्पोजिट)
ब्लॉक- मऊरानीपुर, जनपद- झाँसी

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान।

दिनांक 23 जून 2025

काव्यांजलि

2552

दिन सोमवार

आपका दिन शुभ हो।

पाठ- 04
भाग- 01

कक्षा -4 विषय- शारीरिक शिक्षा (प्रकृति)

खेल

खेल हमारे जीवन में,
उत्साह उमंग लाते हैं।
खेल-खेल में हम सभी,
उत्तम स्वास्थ्य पाते हैं।।

खेलों से हमारे अन्दर,
सहयोग का भाव आता है।
खेल हमारे मन में स्वस्थ,
स्पर्धा का भाव जगाता है।।

खेलों में अच्छा प्रदर्शन कर,
हम खूब सम्मान पाते हैं।
खेल में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर,
हम अच्छी पहचान बनाते हैं।।

रस्सी-कूद, कुर्सी-दौड़ और कबड्डी,
आदि स्थानीय खेल कहलाते हैं।
क्रिकेट, फुटबॉल व वॉलीबॉल खेल,
राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेले जाते हैं।।

रचना-
मृदुला वर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० अमरौधा प्रथम
क्षेत्र- अमरौधा, जनपद- कानपुर देहात

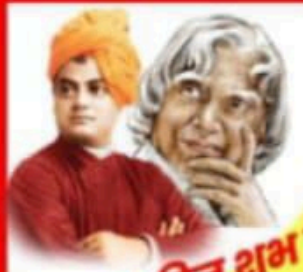

दिनांक 24 जून 2025

काव्यांजलि

2553

दिन मंगलवार

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा- 3, विषय- गणित, पाठ- 6

भिन्न

आओ भिन्न तुम्हें समझाऊँ,
एक रोटी के दो भाग बनाऊँ।
दोनों हिस्से होंगे बराबर,
एक बटा दो, आधे को बताऊँ।।

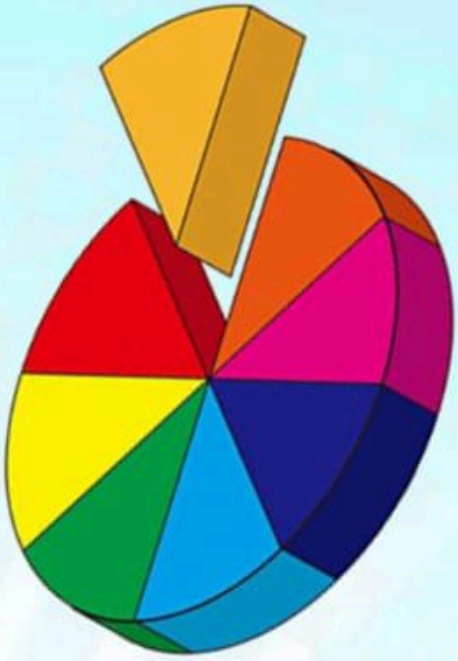

जब वस्तु बराबर बाँटी जाती,
किसी भाग को वो दर्शाती।
विशेष तरह से उसको लिखते,
ऐसी संख्या भिन्न कहलाती।।

एक विभाजक रेखा होती,
ऊपर अंश, नीचे हर होती।
लिए गये हिस्से हैं अंश,
कुल हुए हिस्से हर होती।।

भिन्न को बटा रूप में पढ़ते,
आधे को 1/2 हैं लिखते।
बीच में जो विभाजक रेखा,
उस रेखा को बटा है कहते।।

रचना:
पुष्पा पटेल (प्र०अ०)
प्रा० वि० संग्रामपुर,
क्षेत्र व जनपद - चित्रकूट

दिनांक 25/06/2025

काव्यांजलि

2554

दिन बुधवार

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा-उच्च प्राथमिक स्तर

विषय-योग एवं शारीरिक शिक्षा

पाठ-5

योग बहुत ही उपयोगी,
जिसको करना आसान है।
मधुमेह, अस्थमा, चिन्ता, अवसाद,
कुछ दिन के मेहमान है।।

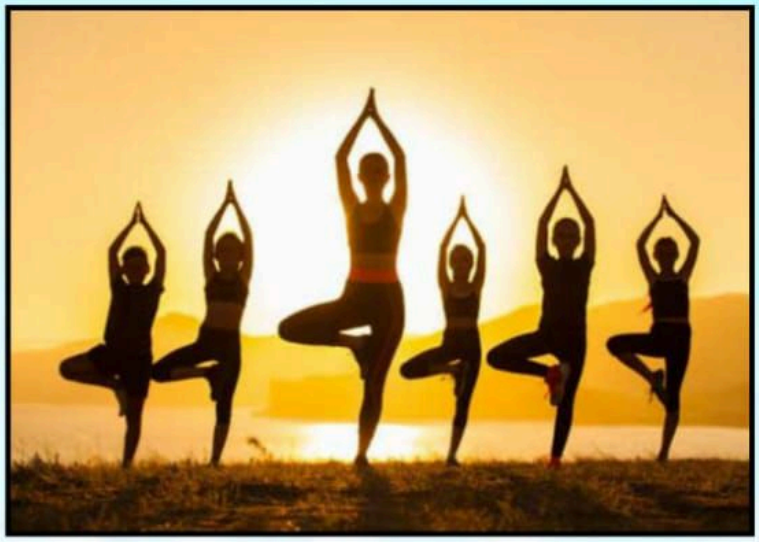

बेहतर पाचन तन्त्र बने,
माँसपेशियों में विश्राम है।
आन्तरिक अंग बने मजबूत,
होता आध्यात्मिक ज्ञान है।।

मोटापे को कम करता,
योग ही रामबाण है।
स्वस्थ बने शरीर हमारा,
अच्छा स्वास्थ्य प्रदान है।।

बीमारी का इस जीवन में,
ना कोई स्थान है।
योग को जो भी अपनाये,
बनता वही महान है।।

रचना:-
नीतू सिंह (प्र०अ०)
प्रा०वि० समोखर
निधौली कलां, एटा

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान।

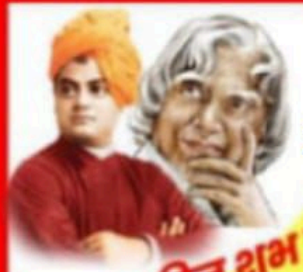

दिनांक 26.06.2025

काव्यांजलि

2555

दिन गुरुवार

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा- 1 मीना का परिवार विषय- हिन्दी

मीना का परिवार बड़ा था,
रहते थे घर में जन सात।
नन्हा दिवाकर बहुत ही छोटा,
नटखट,चुलबुल खेले साथ।।

दादी-दादा, मम्मी-पापा,
चाचा, मीना और छोटा भाई।
खेल-खेल में दिवाकर-मीना,
खेलें, कूदे और करे लड़ाई।।

गिनती सीख दिवाकर कहता,
एक,दो, तीन और चार।
मीना उससे हरदम कहती,
चाची जी हमें करती प्यार।।

फल को काट रही थी दादी,
दादा फूल को सींच रहे हैं।
फल को सब मिलकर खाते हैं,
परिवार को प्यार से सींच रहे हैं।।

रचना-
सुषमा त्रिपाठी (स०अ०)
उ० प्रा वि० खजनी (रुद्रपुर)
क्षेत्र- खजनी,जनपद- गोरखपुर

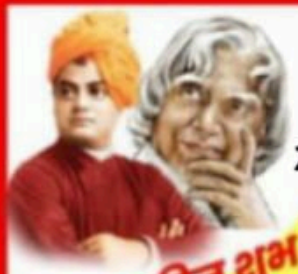

दिनांक 27/06/2025

काव्यांजलि

2556

दिन शुक्रवार

आपका दिन शुभ हो।

विषय : हिन्दी

कक्षा: 7

पाठ: 13

नेताजी

आजाद फौज का नायक वो,
आजादी का परवाना था।
खून के बदले आजादी,
देने की उसने ठाना था।।

भारत माता की खातिर,
फौजी ने इतिहास बदल डाला।
गद्दार विदेशी गोरों को,
संगीन के तले कुचल डाला।।

ऐसे हिन्द के लाल बोस को,
कुचक्र काल का ले ही गया।
वह एक अनोखा पारा था,
जो काल के हाथों छला गया।।

साहस और निडरता का,
अंगारों से लिखा इतिहास में नाम।
हिन्द के ऐसे वीर सपूत को,
भारतवासी करते शत् शत् प्रणाम।।

🙏रचना
डॉ. शालिनी गुप्ता (स०अ०)
उच्च प्रा० वि० मुर्धवा (1-8)
म्योरपुर, सोनभद्र

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान।

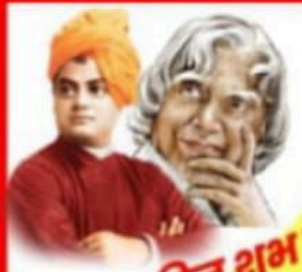

दिनांक 28 जून 2025

काव्यांजलि 2557

दिन शनिवार

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा- प्राथमिक एवं जूनियर स्तर

विषय:- सामान्य ज्ञान

सामान्य जानकारी

पेड़ लगाओ बरसे पानी,
दिल्ली भारत की राजधानी।
भारत है दुनिया में बेस्ट,
द्रोपदी मुर्मू प्रेसीडेन्ट।।

शिक्षा से होता है विकास,
P.M. नरेन्द्र दामोदर दास।
सबको लेकर चलते साथ,
C. M. योगी आदित्य नाथ।।

जल प्रकृति की अनुपम देन,
राज्यपाल आनन्दी बेन।
भूखों को दो भोजन पानी,
लखनऊ U.P. की राजधानी।।

शिक्षा से ही बनता फ्यूचर,
U.P. में हैं जिला पचहत्तर।
एक एक मिल बनते ग्यारह,
मण्डल U.P. में हैं अठारह।।

रचना:-
राज कुमार शर्मा (प्र०अ०)
UPS चित्रवार, क्षेत्र- मऊ
जनपद- चित्रकूट

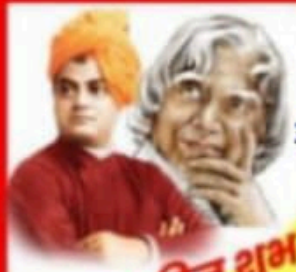

दिनांक
30 जून 2025

काव्यांजलि

2558

दिन
सोमवार

आपका दिन शुभ हो।

पाठ- 04
भाग- 02

कक्षा -4 विषय- शारीरिक शिक्षा (प्रकृति)

हॉकी

हॉकी हमारे देश का,
राष्ट्रीय खेल कहलाता है।
लोकप्रिय खेल के रूप में,
यह खेल खेला जाता है।।

मेजर ध्यानचन्द को हॉकी का,
महान जादूगर कहा जाता है।
29 अगस्त को देश में उनका जन्मदिन,
खेल दिवस के रूप में मनाया जाता है।।

मेजर ध्यानचन्द जी के नेतृत्व में,
ओलम्पिक में स्वर्ण पदक पाया था।
हॉकी के क्षेत्र में भारत का परचम,
सारे संसार में फैलाया था।।

ध्यानचन्द जी ने उत्कृष्ट प्रदर्शन से,
सारे संसार में प्रसिद्ध पायी थी।
पूर्व कप्तान ने हॉकी खेल में,
यादगार भूमिका निभायी थी।।

रचना-
मृदुला वर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० अमरौधा प्रथम
क्षेत्र- अमरौधा, जनपद- कानपुर देहात